सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 352 पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार 31 जनवरी, 2026

खुद पीछे रहना और दूसरों को आगे कर नेतृत्व करना बेहतर होता है, खासतौर पर तब जब आप कुछ अच्छा होने पर जीत का जश्न मना रहे हों। आप तब आगे आइये जब खतरा हो। तब लोग आपके नेतृत्व की प्रशंसा करेंगे।

–नेलसन मंडेला

भारत का न्यूजीलैंड के साथ पांचवां टी20... 7 | तमिलनाडु विस चुनाव से पहले... 3 | पैसे कमाने और जमीन कजाने में... 2

अपने ही बुने जाल में फंस गई बीजेपी !

जाति की लड़ाई सड़क पर आई

» क्या बीजेपी की जातीय इंजीनियरिंग फेल हो रही है

» मंत्री वर्सेज विधायक चरम पर अगड़ा, पिछड़ा हिंदू, मुस्लिम

» सरकारों में सिस्टमेटिक नाराजगी का विस्फोट

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब लड़ाई बंद कमरों में नहीं बल्कि सड़कों पर उतर आयी है। जल संसाधन मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के काफिले को बीजेपी से चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने समर्थकों के साथ सड़क पर रोक लिया और हालात इतने बिगड़े कि पुलिस और विधायक समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक हाथापाई तक पहुंच गयी और सत्ता के भीतर की खदबदाहट कैमरों के सामने नंगी हो गई।

यह कोई सामान्य विरोध नहीं था। यह कोई प्रशासनिक असंतोष नहीं था। यह बीजेपी की जातीय राजनीति में पड़ी दरार का लाइव टेलीकास्ट था। सवाल सीधा है क्या बीजेपी की जातीय इंजीनियरिंग फेल हो रही है?

नाराजगी लेगा कड़ी परीक्षा

लंबे समय से उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह फुसफुसाहट चल रही थी कि सरकार और विधायकों के बीच की दूरी बढ़ रही है लेकिन अब यह फुसफुसाहट शोर में बदलती दिख रही है। जल संसाधन मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के काफिले को स्थानीय विधायकों द्वारा घेरना महज एक तात्कालिक गुस्से की अभिव्यक्ति नहीं है बल्कि उस सिस्टमेटिक नाराजगी का विस्फोट है जो महीनों से भीतर ही भीतर सुलग रही थी। विधायकों की मंत्रियों से शिकायतें नई नहीं हैं। इस घटना ने यह साफ़ कर दिया है कि अब विधायक खुलकर नाराजगी जाहिर करने लगे हैं। पहले शिकायतें बंद कमरों में होती थीं अब सड़क पर हैं कैमरे के सामने हैं और जनता के बीच हैं। यह सिर्फ एक मंत्री बनाम विधायक का मामला नहीं बल्कि पार्टी के भीतर बढ़ते अविश्वास का संकेत है।

आने वाले राजनीतिक तूफान का ट्रेलर

आरोप हैं कि सरकारों में जातीय संतुलन टिकट बंटवारा, नौकरशाही की हावी भूमिका और केंद्रीय नेतृत्व की प्राथमिकताएं स्थानीय विधायकों को लगातार हाशिये पर धकेल रही हैं। हाल फिलहाल ऐसी कई घटनाां घटित हुई हैं जिससे बीजेपी का अनुशान तार–तार हुआ है। बीजेपी का अनुशासन अब दबाव में दरकता दिख रहा है। अगर विधायक ही सरकार के मंत्री को घेर लें तो यह मान लेना चाहिए कि भीतर की दरारें अब भरने लायक नहीं रहीं। यह घटना एक चेतावनी है सत्ता अगर संवाद भूल जाए तो असंतोष सड़क पर उतरता है। और जब पार्टी के अपने लोग विरोध में खड़े हों तो विपक्ष को बोलने की जरूरत भी नहीं पड़ती। यह सिर्फ़ नाराजगी नहीं यह आने वाले राजनीतिक तूफ़ान का ट्रेलर है।

विपक्ष ने भी साधा निशाना

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पूरे घटनाक्रम पर कहा है कि बीजेपी के विधायक ने ही अपने ही मंत्री को बंधक बना कर सरकार के भीतर चल रही खींचतान असंतोष और अव्यवस्था को नंगा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी इस असंतोष को लंबे समय से ढकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सवाल सिर्फ मंत्री के काफिले को घेरने का नहीं है सवाल यह है कि जब सत्ता पक्ष के विधायक ही अपने मंत्री पर भरोसा नहीं कर रहे तो आम जनता क्या उम्मीद करे?

चुनावी गणित बिगड़ने वाला है?

बीजेपी जिस जातीय संतुलन को सोशल इंजीनियरिंग कहती आ रही है वह अब सोशल एक्सप्लोजन बनता दिख रहा है। कल तक विरोध बाहर था आज विरोध सरकार के भीतर है। यूजीसी के मुद्दे पर छात्रों और शिक्षकों का गुस्सा फूट पहले ही फूंट चुका है। अब मंत्रियों के खिलाफ विधायकों का सब्र टूट रहा है। और इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक समीक्षक लोध बनाम कुर्मी के फ्रेम से देखने में भी हिचक नहीं रहे हैं। स्वतंत्रदेव सिंह सिर्फ मंत्री नहीं हैं। वह कुर्मी समुदाय का बड़ा चेहरा हैं। और जिन विधायकों ने काफिला घेरा उनकी पहचान सिर्फ विधायक की नहीं जातीय प्रतिनिधि की भी है। यानी टकराव नीतियों का नहीं पहचान का है। बीजेपी ने सालों तक लोध, कुर्मी, ओबीसी को एक ही पंक्ति में खड़ा रखा। लेकिन अब वही पंक्ति टूटती दिख रही है। और जब सत्ता में बैठी पार्टी में जाति आपस में भिड़ जाए तो समझ लीजिए कि चुनावी गणित बिगड़ने लगा है।

पैसे कमाने और जमीन कब्जाने में लगे भाजपा के मंत्री व विधायक : अखिलेश

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व भाजपा विधायक बृजभूषण के बीच तनामनी का वीडियो किया साझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के दो नेताओं के बीच कहासुनी को लेकर सपा ने तंज कसा है। सपा प्रमुख अखिलेश ने एक्स पर वीडियो साक्षा करते हुए लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि भाजपा के 'डबल इंजन' ही नहीं डिब्बे भी आपस में टकरा रहे हैं। पैसे कमाने और ज़मीन क़ब्ज़ाने में लगे भाजपा के मंत्री हों या विधायक, इनमें से कोई भी जनता या विकास का काम नहीं कर रहे हैं।

महोबा जिले में भाजपा विधायक बृजभूषण सिंह ने कथित तौर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को रोककर जिला कलेक्टर कार्यालय ले गए। खबरों के मुताबिक, दोनों नेताओं के सुरक्षाकर्मियों के बीच हाथापाई भी हुई। इस घटना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्र म में भाग लेने के लिए महोबा में थे।

पूरे मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश ने एक्स

पर वीडियो साक्षा करते हुए लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि भाजपा के 'डबल इंजन' ही नहीं डिब्बे भी आपस में टकरा रहे हैं। पैसे कमाने और ज़मीन क़ब्ज़ाने में लगे भाजपा के मंत्री हों या विधायक, इनमें से कोई भी जनता या विकास का काम नहीं कर रहे हैं।

भाजपा की सत्ता पटरी से उतर गई है

यूपी के पूर्व सीएम ने कहा जनता के गुस्से से बचने के लिए वो एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। भाजपा के ही विधायक द्वारा, अपनी ही भाजपा सरकार के मंत्री को बंधक बनाना दर्शाता है कि भाजपा सरकार के विधायक अब अगले चुनाव में हारनेवाले हैं। वैसे ये न सोचा जाए कि ये इन दोनों के बीच की ही लड़ाई है, दरअसल ये तो केवल सैम्पल या कहें नमूना है, हर विधानसभा क्षेत्र में यही हाल है। इस बार भाजपा को चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी ही नहीं मिलेंगे। भाजपा की सत्ता पटरी से उतर गई है।

जनगणना में पिछड़ी, अगड़ी, दलित और आदिवासी समेत सभी जातियों की गिनती हो

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जनगणना में पिछड़ी, अगड़ी, दलित और आदिवासी समेत सभी जातियों की गिनती होनी चाहिए। जातियों की गिनती का कालम शामिल होना चाहिए। जातीय जनगणना होने से हर जाति की संख्या का पता चल जाएगा। उससे हर जाति को हक और सम्मान दिलाने में आसानी होगी। कोविड काल में वैक्सीन लगवाने से बहुत लोगों की जान गई। हमारी मांग है कि जातीय जनगणना में लोगों की मौत के कारण और बीमारी की भी जानकारी लिखी जाए।

अजित पवार की मौत जांच का विषय

अखिलेश यादव ने हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाए जाने की मांग करते हुए कहा कि जब विकसित भारत का सपना देखा जा रहा है, तो सब नए हवाई जहाज आने चाहिए। जहाजों की अच्छे से मेंटिनेंस हो। महाराष्ट्र उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि जब हवाई जहाज सही था, विजिबिलिटी (दृश्यता) थी, तो दुर्घटना कैसे हो गई। यह जांच का विषय है।

भाजपा सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही : पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर के राजेंद्र नगर थाने में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस नेताओं के साथ एसआईआर की प्रक्रि या में गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर फर्जी आपत्तियां लाखों की संख्या में लगाई हैं। भाजपा सरकार एक तरफ लोकतंत्र का गला घोंट रही है, वहीं दूसरी तरफ यह एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जिसके तहत विशेष रूप से दलित, पिछड़ा, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्ग के मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

पटवारी ने कहा कि वे राऊ विधानसभा के निवासी हैं और एक बूथ के कांग्रेस पार्टी से पीएलए की हैसियत से शिकायत करने आए हैं। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में सरकारी बीएलओ और भाजपा का बीएलए मिलकर पात्र मतदाताओं के नाम काट रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति गलत जानकारी देकर फॉर्म 7 के माध्यम से किसी मतदाता का नाम कटवाने की आपत्ति दर्ज करता है, तो उस पर सेक्शन 31 के तहत एक साल की सजा का प्रावधान है। भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे मतदान केंद्र पर ऐसा व्यक्ति आपत्ति लगा रहा है जो उस मतदान केंद्र का निवासी भी नहीं है। उसके द्वारा 52 से अधिक आपत्तियां लगाई गई हैं जो पूर्ण रूप से निराधार हैं।

देहरादून में कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हमले पर बिफरे उमर अब्दुल्ला

» उत्तराखंड के सीएम धामी से की बात, आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के मामले में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई तेज हो गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री के प्रयासों के चलते न केवल प्राथमिकी दर्ज की गई, बल्कि इस मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया।

सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद उत्तराखंड पुलिस ने त्वरित कदम उठाते हुए मामला दर्ज किया और मुख्य आरोपी को हिरासत में लिया। रिपोर्टों के मुताबिक, देहरादून जिले में बुधवार को शॉल बेच रहे 18 वर्षीय कश्मीरी युवक पर कुछ लोगों ने कथित

तौर पर हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के सामने आने के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गहरा आक्र ोश देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा गया,जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के संबंध में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया। पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री धामी ने आश्वासन दिया कि मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पोस्ट को साझा करते हुए लिखा कि हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश और अब उत्तराखंड में कश्मीरियों पर हुए हमले अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा, अगर कश्मीर के लोग देश के अन्य हिस्सों में अपनी जान को लेकर डर के साये में जिएं, तो यह कहना मुश्किल है कि जम्मू-कश्मीर वास्तव में भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार जहां भी आवश्यक होगा, हस्तक्षेप करेगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। साथ ही उन्होंने गृह मंत्रालय से अन्य राज्यों को भी सतर्क करने की अपेक्षा जताई। वहीं देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने कहा है कि इस मामले में निष्पक्षता से कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ेगी : कनिमोझी

डीएमके राहुल गांधी से मुलाकात के बाद गठबंधन पर आशावान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके और कांग्रेस के बीच गठबंधन वार्ता सकारात्मक दिशा में है, जैसा कि राहुल गांधी और कनिमोझी की मुलाकात से संकेत मिलता है। हालांकि, सरकार में हिस्सेदारी की कांग्रेस की मांग इस दो दशक पुराने गठबंधन में एक प्रमुख बाधा बनी हुई है, जिस पर अंतिम फैसला होना बाकी है।

डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी चर्चाएं पूरी होने के बाद पार्टी नेता घोषणा करेंगे। यह मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए राजधानी में हुई मुलाकात के बाद हुई है। बुधवार को डीएमके द्वारा अपने सहयोगी कांग्रेस से संपर्क साधने के प्रयास के तहत शुरू की गई यह बैठक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। दोनों नेताओं ने लगभग एक घंटे तक मुलाकात की, लेकिन किसी भी आंकड़े पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की टीम से इस मामले पर चर्चा करें और औपचारिक रूप से इसे अंतिम रूप दें। कांग्रेस पार्टी के एक सूत्र के अनुसार, बैठक सौहार्दपूर्ण रही। वहीं, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन एक पुराना गठबंधन है, और हम सभी जानते हैं कि इसका संचालन नेतृत्व द्वारा किया जाता है। कांग्रेस नेता ने मणिकम टैगोर कहा कि संसद में डीएमके नेता और विपक्ष की नेता कनिमोझी और राहुल गांधी के बीच सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई, और हम आशा करते हैं कि चेन्नई में बातचीत जारी रहेगी। उत्तरी मदुरै के संबंध में, युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव लड़ने की उत्सुकता व्यक्त की है, और मैं इसकी सराहना करता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से इसका समर्थन करूंगा, क्योंकि मदुरै एक ऐसी सीट है जहां कांग्रेस पार्टी हमेशा से दीर्घकालिक रुख अपनाती रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

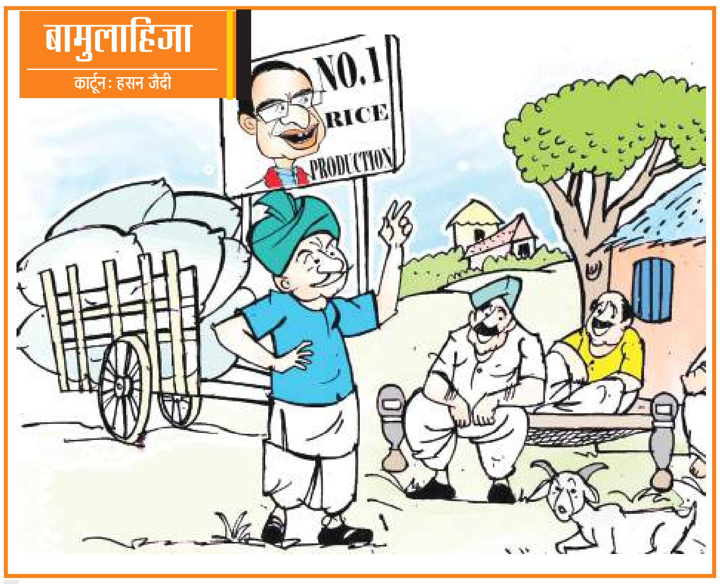

महोबा के बाद अयोध्या में भाजपा का असंतोष उजागर

» केशव प्रसाद मौर्य के सामने ही भिड़े नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीजेपी नेताओं में परस्पर असंतोष अब जमीन पर दिखने लगा है। अयोध्या में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सामने ही एक कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संजीव सिंह और बीजेपी नेता सच्चिदानंद पांडे में मंच पर ही हाथापाई शुरू हो गई. जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने दोनों को अलग किया।

स्वतंत्र देव सिंह और विधायक बृजभूषण राजपूत में तनातनी

शुक्र वार को महोबा में एक कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति अम्न्त्री स्वतंत्र देव सिंह और चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत में उनके क्षेत्र में जलकल योजना में कार्य न होने को लेकर नाराजगी देखने को मिली। विधायक के कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प का वीडियो भी वायरल है।

इस घटना पर केशव प्रसाद मौर्य ने भी नाराजगी जाहिर की। अब इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे लेकर बीजेपी में अंतर्कलह को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पूर्व विधायक खब्बू तिवारी की माता के निधन के बाद तेरहवीं संस्कार में शामिल होने पहुंचे थे. इसी दौरान दोनों बीजेपी नेता आपस में भिड़ गए। इस दौरान काफी देर अफरा-तफरी का माहौल रहा। मंच पर डिप्टी सीएम समेत कई नेता बैठे थे, अचानक संजीव सिंह और सच्चिदानंद पांडेय के बीच किसी बात पर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों नेता एक-दूसरे की कॉलर पकड़ते हुए धक्का-मुक्की कर रहे हैं।

इस घटना से डिप्टी सीएम बेहद असहज नजर आए. अन्य कार्यकर्ताओं और सुरक्षा कर्मियों ने दोनों को अलग किया। स्थानीय कार्यकर्ताओं के मुताबिक दोनों नेताओं में पहले से अनबन चली आ रही है और गुरुवार को दोनों डिप्टी सीएम के सामने ही भिड़ गए। फिलहाल इस मामले में अब दोनों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की जा रही है।

तमिलनाडु विस चुनाव से पहले सियासत में करवटों का दौर

कई पुराने नेता अपनी पुरानी पार्टी में जाने को तैयार

- भाजपा एनडीए का कुनबा बढ़ाने की जुगत में
- टीवीके कांग्रेस के साथ साझेदारी करने को आतुर
- स्टालिन अपने दम पर डीएमके को मजबूती देने में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले वहां की सियासत अजबगजब करवट ले रही है। कहीं पुराने नेता अपनी पुरानी पार्टी में जाने की जुगत में लगे हैं। तो कहीं कोई ऊपर से मतभेद दिखा रही है जबकि गलबहियां के मौके भी तलाश रहा है। इसी के तहत अभिनेता विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कांग्रेस को उनकी पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन का प्रस्ताव दिया, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे खारिज कर दिया।

कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी को किसी बाहरी सहारे की जरूरत नहीं है, जिससे इस संभावित राजनीतिक साझेदारी पर विराम लग गया है। वहीं एआईएडीएमके से निष्कासित नेता ओ पन्नीरसेल्वम ने पार्टी एकता का हवाला देते हुए एडप्पाडी के पलानीस्वामी (ईपीएस) के नेतृत्व में लौटने की इच्छा जताई है। यह सुलह का संकेत ऐसे समय में आया है जब उनके समर्थक डीएमके में जा रहे हैं और भाजपा एक संयुक्त गठबंधन पर जोर दे रही है, जिससे अब सारा दबाव ईपीएस पर आ गया है। उधर भाजपा एनडीए को मजबूत करना चाहती है।

पार्टी की एकता के हित में पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके में शामिल होने के लिए तैयार : पन्नीरसेल्वम

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) से निष्कासित नेता ओ पन्नीरसेल्वम ने कहा कि वह एआईएडीएमके में लौटने के लिए तैयार हैं। एआईएडीएमके का नेतृत्व वर्तमान में उनके प्रतिद्वंद्वी एडप्पाडी के पलानीस्वामी कर रहे हैं, जिन्हें ईपीएस के नाम से भी जाना जाता है। उनकी यह टिप्पणी तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आई है, जो इस साल मार्च या अप्रैल में होने वाले हैं। पन्नीरसेल्वम, जिन्हें उनके समर्थक

ओपीएस के नाम से जानते हैं, ने कहा कि वह पार्टी की एकता के हित में पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके में शामिल होने के लिए तैयार हैं। थेनी में एक सभा को संबोधित करते हुए, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ने ईपीएस को अपना बड़ा भाई बताया और सुलह की अपील की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पन्नीरसेल्वम ने कहा कि मैंने अभी तक अपने गठबंधन के रुख पर फैसला नहीं किया है। हम एआईएडीएमके में अपने अधिकारों के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। मैं एआईएडीएमके में शामिल होने के लिए तैयार हूं। टीटीवी दिनाकरन मेरा स्वागत करने के लिए तैयार हैं। क्या ईपीएस तैयार हैं?

बीजेपी में डीएमके को हराने का दम नहीं : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी और उसकी सहयोगी एआईएडीएमके पर तीखा हमला किया है। स्टालिन ने कहा कि बीजेपी व एआईएडीएमके ने मजबूरी में हाथ मिलाया है, क्योंकि कोई भी पार्टी अकेले उनकी डीएमके हो हराने का दम नहीं रखती है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी के साथ आते ही भ्रष्टाचार में लिप्त पार्टियां भी साफ-सुधरी हो जाती हैं। स्टालिन ने बीजेपी पर वॉशिंग मशीन तंज भी कसा। स्टालिन लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह राज्य में विकास के कार्यों पर ध्यान दे रहे हैं। यही विकास कार्य उन्हें फिर सत्ता तक पहुंचाएगा, ऐसा उनका मानना है।

राहुल गांधी पहले से ही पार्टी को आवश्यक गति प्रदान कर रहे हैं : सेल्वपेरुंथगई

इन टिप्पणियों का जवाब देते हुए, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने चंद्रशेखर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि पार्टी को किसी बाहरी समर्थन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि राहुल गांधी पहले से ही पार्टी को आवश्यक गति प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं को देखिए, आपको पता चलेगा कि उन्हें पहले से ही प्रोत्साहन मिल चुका है। हमारे नेता राहुल गांधी हमें वह प्रोत्साहन, ऊर्जा और ऊर्जा दे रहे हैं जिसकी हमें जरूरत है। फिर भी, मैं उनके प्रस्ताव के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।

चुनावी राजनीति में विजय की संभावनाएं बेहद उज्ज्वल

उन्होंने बताया कि कई लोगों ने उनके बेटे को स्वतंत्र रूप से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है, यह कहते हुए कि बिना किसी राजनीतिक गठबंधन के भी जीत उनकी मुट्ठी में होगी। उनके अनुसार, चुनावी राजनीति में विजय की संभावनाएं बेहद उज्ज्वल दिख रही हैं। इसी दौरान, अपने जनसंपर्क अभियान में विजय ने कई पार्टियों पर तीखे हमले किए। उन्होंने डीएमके को टीवीके का प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया, एआईएडीएमके को वैचारिक विरोधी करार दिया और भाजपा को भी नहीं बख्शा। विजय ने विश्वासपूर्वक घोषणा की कि टीवीके सत्ता में आएगी और तमिलनाडु के विकास पथ में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगी।

भाजपा का एनडीए पर फोकस

हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके को चुनौती देने के लिए संयुक्त राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की वकालत कर रही है। पिछले महीने, पन्नीरसेल्वम ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की और तटीय राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा की।

कई नेता पहले ही शामिल

उनकी ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मनोज पांडियन और कुन्नम आरटी रामचंद्रन समेत उनके कई वफादार द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) में शामिल हो चुके हैं। ओपीएस, जिन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में तीन कार्यकाल (सितंबर 2001 से मार्च 2002, सितंबर 2014 से मई 2015 और दिसंबर 2016 से फरवरी 2017) तक सेवा की है, ईपीएस के नेतृत्व के विरोधी थे और जे जयललिता के निधन के बाद सत्ता संघर्ष के कारण पार्टी में फूट पड़ गई। ईपीएस के खिलाफ अभियान शुरू करने के बाद, ओपीएस को 2022 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। ईपीएस वर्तमान में एआईएडीएमके के महासचिव हैं।

साझेदारी से कांग्रेस को राज्य में अपनी पुरानी ताकत वापस पाने में मदद मिलेगी : एसए चंद्रशेखर

अभिनेता और राजनेता विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कांग्रेस पार्टी से आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए अपने बेटे की पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ चुनावी समझौता करने का आग्रह किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि इस तरह की साझेदारी से कांग्रेस को राज्य में अपनी पुरानी ताकत वापस पाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने ये बातें बुधवार को तिरुवरूर जिले में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उनके अनुसार, टीवीके आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने संकेत दिया कि समर्थन देने के संबंध में बातचीत चल रही है, हालांकि अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत है। विजय उन्हें समर्थन देने और उनकी पुरानी प्रतिष्ठा को वापस दिलाने के लिए तैयार हैं। अब कांग्रेस को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गांधी के विचारों से आएगी विश्व में शांति

> आज अगर दुनिया में शांति बनानी हो तो महात्मा गांधी के बताए बातों को मानना पड़ेगा। 30 जनवरी पूरा विश्व उनकी पुण्यतिथि पर उनको याद कर रही है। उनके दिए गए शिक्षाओं परचलकर ही हम पूरे संसार में शांति ला सकते हैं। वहा कहा करते थे अहिंसा परमो धर्म। गांधी से जुड़े कई यादें लोग साझा करते है।

आज जब पूरी दुनिया में उथल पुथल चल रही है। कई देशों में आपसी लड़ाई चल रही है। तब ऐसे में बापू को याद किया जाना लाजिमी है। महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। आज अगर दुनिया में शांति बनानी हो तो महात्मा गांधी के बताए बातों को मानना पड़ेगा। 30 जनवरी पूरा विश्व उनकी पुण्यतिथि पर उनको याद कर रही है। उनके दिए गए शिक्षाओं परचलकर ही हम पूरे संसार में शांति ला सकते हैं। वहा कहा करते थे अहिंसा परमो धर्म। गांधी से जुड़े कई यादें लोग साझा करते हैं। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी।

यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?' जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पारिस्थितिकी को नुकसान की जवाबदेही तय हो

ज्ञानेंद्र रावत

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन के अंतर्गत आने वाली फूलों की घाटी देश-दुनिया में मशहूर है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर है। धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला यह बायोस्फीयर रिजर्व, हिम तेंदुआ और हिमालयी भालू और ब्रह्मकमल आदि जैसी असंख्य दुर्लभ प्रजातियों के लिए विख्यात है। हर साल हजारों पर्यटक कुदरत की खूबसूरती देखने यहां आते हैं। लेकिन यह बेहद संवेदनशील जगह बीती नौ जनवरी से लगी आग से लगातार धधक रही है। फूलों की घाटी में सबसे पहले पेनावडी और भ्यूंडार रेंज की पहाड़ियों पर आग लगी थी। समस्या यह है कि अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच स्थित ऊंची चट्टानों, पेड़-पत्थर गिरने और जलते पेड़ों के चलते यहां राहत व वनकर्मियों का आग बुझाने के लिए पहुंचना बेहद मुश्किल साबित हो रहा है।

यहां न सड़क है और न पैदल रास्ता। एसडीआरएफपी भी मौके पर नहीं पहुंच पा रही। वहीं अत्याधुनिक उपकरणों व संसाधनों का अभाव है। सूखी झाड़ियां, पत्तियां, सूखे पेड़ भी आग को फैला रहे हैं। जंगलों में धुंए का गुब्बार और लपटें दिखाई देती हैं। आग नंदा देवी पार्क के नीचे के इलाके में हरे पेड़ों तक पहुंच गयी है। जबकि प्रशासन का दावा है कि फूलों की घाटी क्षेत्र के गोविंद गढ़ रेंज में, बद्रीनाथ की निजमुला घाटी व गौणा गांव के जंगलों में लगी आग पर आंशिक रूप में काबू पाया है। लेकिन अभी 15 हैक्टेयर से ज्यादा इलाका धधक रहा है। हकीकत यह है कि नीचे की ओर लगी आग बुझाने में तो वनकर्मी जुटे हुए हैं लेकिन दुर्गम इलाके में खड़ी चट्टानों पर लगी आग पर काबू पाने में प्रशासन खुद को असमर्थ पा रहा है। चिंताजनक यह भी कि फायर सीजन से पहले ही यानी सर्दियों के मौसम में उत्तराखंड के जंगल धधक रहे हैं। जबकि अभी न बारिश है और न ही बर्फबारी हुई। ऐसे में अप्रैल-मई में जब तापमान 35-40 से ऊपर पहुंचेगा, तब क्या होगा? इन हालात से उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं दोनों अंचल अछूते नहीं।

उत्तरकाशी में वरणावत के पहाड़ी क्षेत्र, दशोली के निजमुला घाटी, पेनखंडा, पौड़ी के जामणाखाल, लाता, मैंग्यूल और कुमाऊं के अल्मोड़ा में हवालवडा, नहला और पाटलीबगड के जंगल कई दिनों से धधक रहे हैं, उनपर भी अंकुश नहीं लग सका है। हवा के साथ आग और फैल रही है। जबकि मौसम विभाग की मानें तो अगले 10 दिनों तक बारिश की कोई संभावना नहीं। वह बात दीगर है कि राहत कार्य में मदद

के लिए वायु सेना के एमआई 16 हेलीकॉप्टर बांबी बकेट आपरेशन के लिए जोशीमठ में तैनात हैं। लेकिन उनका उपयोग प्रशासन हवाई सर्वे और आग की तीव्रता व भयावहता के आकलन के अलावा आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय के बाद ही कर सकेगा। वायु सेना और वन विभाग बांबी बकेट आपरेशन के मुद्दे पर सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो के मामले में बहस में उलझे हुए हैं। वायु सेना आग बुझाने में टिहरी-श्रीनगर डैम से पानी लाने में दिक्कत, पानी के स्रोत पास में नहीं होने और लॉजिस्टिक्स में मुश्किलों की बात कर रही है। विचारणीय यह है कि वन विभाग केवल इतना कह रहा है कि जंगल की आग में सूखे पेड़ों के गिरने की वजह से बढ़ोतरी हुई है। वह यह बताने में नाकाम है कि आग कैसे लगी, किसने लगायी, असामाजिक तत्वों का तो इसमें हाथ नहीं है या फिर शार्टसर्किट से लगी या फिर चरवाहों ने लगायी।

दरअसल जंगल की आग में बढ़ोतरी में लापरवाही की अहम भूमिका है। यदि वह समय रहते विभाग सक्रिय हुआ होता तो इतना नुकसान नहीं होता। गौरतलब है कि इस आग में करोड़ों की लकड़ी ही नहीं जली है, लाखों औषधीय पेड़-पौधे, पक्षी, वनस्पति, वन्य-जीवों के आवास, पारिस्थितिकीय तंत्र स्वाह हुआ है। डीएफओ चेतना कांडपाल भी इसे स्वीकारती हैं। सवाल है कि इस आग के लिए कौन जिम्मेदार है। क्या हर साल की तरह इस आग का मुद्दा भी फाइलों में दफन हो जायेगा। पहाड़ों पर आग लगने की घटनाएं तो हर साल होती हैं। क्या हमने उनसे कोई सबक सीखा है? पर्यावरण संरक्षण की बात करने वाली सरकारें हकीकत में पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर होनी चाहिए।

इस लापरवाही के लिए जवाबदेह तंत्र यह क्यों नहीं सोचता कि पहाड़ नहीं रहेंगे, वन संपदा इसी तरह आग की समिधा बनती रहेगी, तो ग्लेशियर खत्म हो जायेंगे, उस दशा में नदियां व अन्य जलस्रोत सूख जायेंगे और हम पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसेंगे। तब क्या होगा? इस बारे में आमजन को भी सोचना होगा कि पहाड़ रहेंगे, वनस्पति रहेगी, हरियाली रहेगी तो पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा। जिस तरह जलवायु परिवर्तन हमें चेतावनी दे रहा है, उसे देखते हुए हमें भी सावधानी बरतनी होगी। देवभूमि उत्तराखंड के जंगल बचाने की जिम्मेवारी हम सबकी है। अरावली प्रकरण एक चेतावनी है कि अब भी समय है, संभल जाओ।

नाइट्रोजन चक्र बदलाव से अन्न पेयजल संकट

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन ने पृथ्वी पर कई परिवर्तन कर दिए हैं। इनमें से कई परिवर्तन ऐसे हैं जिनसे हम वाकिफ नहीं हैं। बढ़ती गर्मी, बारिश के पैटर्न में बदलाव और कार्बन डाइऑक्साइड के ऊंचे स्तर से फसलों को होने वाला नुकसान हमें दिखाई देता है लेकिन जलवायु के परिवर्तन समूची खाद्य प्रणालियों को कितना प्रभावित कर रहे हैं, इसका जरा भी अंदाजा हमें नहीं है। मिट्टी की सतह के नीचे और पौधों के ऊत्तकों के अंदर चुपचाप परिवर्तन हो रहा है। भूमि पारिस्थितिकी तंत्र में नाइट्रोजन की हलचल अब बदली हुई जलवायु परिस्थितियों पर तेजी से प्रतिक्रिया कर रही है। नाइट्रोजन में ये परिवर्तन खाद्य उत्पादन, पानी की सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और जलवायु स्थिरता को प्रभावित करते हैं।

पृथ्वी पर जीवन चक्र में नाइट्रोजन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह तत्व नाइट्रोजन प्रोटीन, एंजाइम और आनुवंशिक सामग्री बनाकर जीवन को सहारा देता है। पौधे पत्तियों, जड़ों और अनाज को उगाने के लिए मिट्टी से नाइट्रोजन अवशोषित करते हैं। मिट्टी के जीवाणु जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से नाइट्रोजन को उपयोग योग्य रूपों में बदलते हैं। नाइट्रोजन का संतुलित प्रवाह स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र और अच्छी फसल के लिए आवश्यक है। अतिरिक्त नाइट्रोजन हवा और पानी में चला जाता है, जिससे प्रदूषण बढ़ता है और गर्मी बढ़ाने वाली ग्रीनहाउस गैसें बनती हैं। दूसरी ओर, नाइट्रोजन की सीमित उपलब्धता फसलों के विकास को धीमा करने के साथ-साथ खाद्य आपूर्ति को भी कम कर देती है। पृथ्वी पर नाइट्रोजन चक्र के बारे में एक नए अध्ययन में चीन के जेजान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक मियाओ चंग का कहना है कि गर्म होती दुनिया में नाइट्रोजन खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए एक निर्णायक कारक बनती जा रही है। यह अध्ययन दिखाता है कि जलवायु परिवर्तन नाइट्रोजन चक्रों को इस तरह से बदल रहा है जो या तो सतत विकास का समर्थन कर सकता है या पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण सीमाओं से परे धकेल सकता है।

वैज्ञानिकों ने वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र मॉडल के साथ फील्ड में 30 वर्षों के प्रयोगों का विश्लेषण किया। उन्होंने इसमें विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में फसल भूमि, जंगलों और घास के मैदानों को सम्मिलित किया। उन्होंने उर्वरक, खाद, वायुमंडलीय जमाव और जैविक स्थिरीकरण के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने वाली नाइट्रोजन पर गौर किया। फसल कटाई, गैस उत्सर्जन के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र से बाहर निकलने वाली नाइट्रोजन को भी मापा गया। इस विश्लेषण के असमान परिणाम सामने आए। कुछ स्थानों पर विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों में उत्पादकता में वृद्धि देखी गई जबकि अन्य क्षेत्रों में नाइट्रोजन की कमी, प्रदूषण और पैदावार में कमी का अनुभव हुआ। नाइट्रोजन की असमान प्रतिक्रियाएं अब खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में वैश्विक अंतर को गहरा कर रही हैं। कार्बन डाइऑक्साइड की अधिकता नाइट्रोजन को प्रभावित करती है। वैसे कार्बन डाइऑक्साइड का उच्च स्तर प्रकाश संश्लेषण में सुधार करके पौधों की वृद्धि को बढ़ाता है।

गेहूं, चावल, मक्का और सोयाबीन सहित प्रमुख फसलों में अक्सर अधिक पैदावार देखी जाती है। अधिक कार्बन डाइऑक्साइड की स्थितियों में जंगल और घास के मैदान भी पौधों की सामग्री का अधिक उत्पादन करते हैं। पानी के इस्तेमाल की बेहतर क्षमता पौधों को हल्के सूखे के स्ट्रेस से निपटने में मदद करती है। लेकिन ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड होने पर पौधों के टिशू में नाइट्रोजन कम होती है। अनाज में प्रोटीन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे उसका पोषण मूल्य कम हो जाता है। पत्तियों और तनों में भी नाइट्रोजन की कमी दिखती है। दलहनी फसलें गैर-दलहनी प्रजातियों की तुलना में नाइट्रोजन की कमी का बेहतर प्रतिरोध करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबे समय तक नाइट्रोजन की कमी भविष्य की ग्रोथ और कार्बन स्टोरेज की क्षमता को कमजोर कर सकती है। अध्ययन के सह-लेखक बाओजिंग गु ने कहा, ज्यादा कैलोरी का मतलब अपने आप बेहतर पोषण नहीं होता है। हम शायद ज्यादा बायोमास काट रहे हैं, लेकिन प्रति यूनिट नाइट्रोजन कम है, जो इंसानों के खाने और जानवरों के चारे दोनों के लिए मायने रखती है। गर्मी नाइट्रोजन के नुकसान को बढ़ाती है। बढ़ता तापमान नाइट्रोजन साइकलिंग को जटिल तरीकों से प्रभावित करता है।

गर्मी जंगलों और घास के मैदानों में बढ़ने के मौसम को बढ़ाती है, जिससे पौधों की ग्रोथ बढ़ती है। खेती वाली जमीनें गर्मी के तनाव में ज्यादा जोखिम का सामना करती हैं। गर्म और शुष्क क्षेत्रों में मक्के की पैदावार तेजी से गिरती है। लगातार गर्मी के कारण कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में गेहूं की पैदावार कम हो जाती है। अधिक तापमान मिट्टी में बैक्टीरिया और दूसरे जीवाणुओं की गतिविधि को तेज करता है। तेजी से अपघटन से नाइट्रोजन हवा और पानी में निकलती है। ऐसे में अमोनिया, नाइट्रस ऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन काफी बढ़ जाता है। नाइट्रेट ज्यादा तेजी से भूजल और नदियों में मिल जाता है। ऐसी स्थितियों में वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पानी का प्रदूषण बढ़ जाता है। कम संसाधनों वाले क्षेत्रों को नाइट्रोजन की कमी और खाद्य असुरक्षा से ज्यादा नुकसान होता है। बारिश के पैटर्न होने वाले बदलाव नाइट्रोजन के व्यवहार को बहुत ज्यादा नियंत्रित करते हैं।

मेंटल हेल्थ के लिए खतरा है एआई

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक ने हमारे जीवन को काफी आसान बना दिया है। ये स्मार्ट तरीके काम करने, चीजों को सीखने और रोजमर्रा की जिंदगी के कई कार्यों में मदद कर रहे हैं। बैंकिंग से लेकर शॉपिंग, ऑफिस के काम काज से लेकर पढ़ाई तक, सब बस एक क्लिक या वॉइस कमांड पर हो रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई की मदद से भविष्य में मेडिकल सुविधाओं में काफी मदद मिलने की उम्मीद है, कई गंभीर रोगों के इलाज में भी एआई का अहम योगदान हो सकता है। एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि किस तरह से डायबिटीज और पेट के कैंसर का पता लगाने में एआई की मदद ली जा रही है। इसने बीमारियों के निदान को काफी आसान बना दिया है। इसी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन लोगों के लिए भी नई उम्मीद ला रहा है जो कई स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से परेशान रहे हैं। एआई को भविष्य के लिए बड़ी आशा के तौर पर देखा जा रहा है, पर इसका स्याह पक्ष भी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एआई चैटबॉट का बहुत ज्यादा इस्तेमाल लोगों की मेंटल हेल्थ के लिए ठीक नहीं है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदायक

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम लोगों को सावधान करते हुए कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बहुत ज्यादा इस्तेमाल मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला हो सकता है, इससे डिप्रेशन होने का खतरा बढ़ जाता है। 21,000 से अधिक प्रतिभागियों पर किए गए एक सर्वे में पाया गया है कि जो लोग एआई का अधिक इस्तेमाल करते हैं या फिर एआई पर निर्भर हो गए हैं उनमें स्ट्रेस-एंग्जाइटी से लेकर, चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन होने का जोखिम अधिक पाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैसे तो एआई कुछ ही साल पहले अस्तित्व में आया है, लेकिन यह कई लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। चाहे खाना बनाने के बारे में पूछना हो, डेटा एनालिसिस करना हो या फिर बड़े काम चुटकियों में करना हो चैटजीपीटी और एआई के अन्य टूल इसमें मदद कर रहे हैं।

डिप्रेशन का बढ़ सकता है खतरा

जामा नेटवर्क जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने बताया कि दिलचस्प बात यह है कि एआई और मेंटल हेल्थ को होने वाली समस्याओं के नतीजे अलग-अलग उम्र के ग्रुप्स में अलग थे। पहले से ही कुछ ऐसे सबूत मिले हैं कि चैटबॉट लोगों में भ्रम को बढ़ा सकता है और यहां तक कि सुसाइड के विचारों को भी बढ़ावा दे सकते हैं। इन चिंताजनक संकेतों के बावजूद, बहुत कम एकेडमिक रिसर्च ने एआई के इस्तेमाल और मेंटल हेल्थ पर ध्यान दिया है। ये अध्ययन इस दिशा में सोचने पर विवश कर रही है। विशेषज्ञ कहते हैं, जब हम खुद का दिमाग न लगाकर एआई की मदद लेते हैं तो इससे हमारी बौद्धिक क्षमता पर भी असर पड़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक एआई पर निर्भरता हमारी रचनात्मकता और कार्यक्षमता को भी कम करने वाली हो सकती है।

अध्ययन में क्या पता चला?

शोधकर्ताओं ने अप्रैल और मई 2025 में इकट्ठा किए गए सर्वे डेटा का अध्ययन किया। इसमें शामिल प्रतिभागियों की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा थी। सर्वे के लिए दिए गए प्रश्नावली में सभी प्रतिभागियों से पूछा गया कि आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी या इसके प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कितनी बार करते हैं?सैंपल में से 10.3त्न लोगों ने कहा कि वह हर दिन एआई का इस्तेमाल करते हैं, वहीं 5.3त्न ऐसे लोग थे रोजाना कई बार या घंटों तक इसका इस्तेमाल करते थे। हर दिन इस्तेमाल करने वालों में से, लगभग आधे लोग काम के लिए, 11.4त्न स्कूल के लिए और 87.1त्न किसी अन्य व्यक्तिगत कारणों से इसका इस्तेमाल कर रहे थे। अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों ने पाया कि रोजाना इस्तेमाल करने वाले लोगों में डिप्रेशन होने का खतरा अन्य लोगों की तुलना में 30त्न अधिक पाया गया। ऐसे लोगों में एंग्जायटी और चिड़चिड़ापन की दिक्कत भी अधिक पाई गई।

एआई चैटबॉट का सावधानी से करें इस्तेमाल

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में साइकेट्री के प्रोफेसर रॉय एच. पर्लिस कहते हैं, फिलहाल यह पता लगाना मुश्किल है कि डिप्रेशन में बढ़ोतरी सीधे तौर पर एआई की वजह से है या जो लोग डिप्रेस्ड हैं, वे एआई का इस्तेमाल अधिक कर रहे हैं। मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम वाले लोग अपने लक्षणों के लिए मदद और सपोर्ट पाने के लिए इसका ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं।

कई बार, अकेलापन दूर करने और नए दोस्त बनाने के लिए, बहुत से लोग इंटरनेट पर ज्यादा समय बिताते हैं। एआई असिस्टेंस जैसे विकल्प लोगों को एक साथी दे रहे हैं जिनसे वे बात कर पा रहे हैं।

इसके अलावा विशेषज्ञों ने कहा, कई अन्य शोध में पाया गया है कि एआई चैटबॉट अनजाने में नकारात्मक सोच के पैटर्न को मजबूत कर सकते हैं। अगर कोई यूजर बार-बार डर, उदासी या खुद पर शक के बारे में बात करता है, तो चैटबॉट उन विषयों पर बिना किसी क्लिनिकली सही तरीके के बात करता रह सकता है, जिससे डिप्रेशन वाली सोच और गहरी हो सकती है।

ऐसे में एआई पर निर्भरता या इसके इस्तेमाल की सीमा न तय करना आपके मेंटल हेल्थ के लिए समस्याओं का कारण बन सकता है।

हंसना मना है

पप्पू: क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है। चप्पू: नहीं यार तुम ही बता दो। गप्पू: मुझे पता है मैं बताता हूं गप्पू: ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

टीचर: लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू: सर चोर होते है! टीचर: वो कैसे? गप्पू: क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड: डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से: तुमने कैसे जाना? हसबैंड: तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

टीचर- Date और तारीख में क्या अंतर है ? सारी Class चुप गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ।

कहानी — उल्लू और कौवे के बैर का कारण

एक बार हंस, तोता, बगुला, कोयल, चातक, कबूतर, मुर्गा, उल्लू आदि प्रमुख पक्षियों ने एक सभा करके यह निश्चय किया कि पक्षियों को अपने नए राजा का चुनाव कर लेना चाहिए। हमारा वर्तमान राजा गरुड़ है, किंतु वह भगवान विष्णु की सेवा-कार्यों में इतना व्यस्त रहता है कि पक्षियों के हित-साधन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाता। हमें ऐसा राजा चाहिए जो हमारे बीच रहकर हमारी समस्याओं पर विचार करे और उनका समाधान करे। यह सभा कई दिन तक चली और अंततः निर्णय हुआ कि उल्लू को नया राजा बनाया जाए। अभिषेक की तैयारियाँ होने लगीं। विभिन्न तीर्थों से पवित्र जल मँगवाया गया। सिंहासन पर रत्न जड़े गए, स्वर्ण-घट भरे गए। वेद-पाठी ब्राह्मणों ने वेद-मंत्रों का गान आरंभ कर दिया। उल्लू राज-सिंहासन पर बैठने ही वाले थे कि कहीं से एक कौवा आ पहुँचा। कौवे को यह सब देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। वह मन-ही-मन सोचने लगा कि यह कैसा समारोह है? पक्षियों ने भी कौवे को देखा तो वे आश्चर्य में पड़ गए। कौवे को तो किसी ने आमंत्रित भी नहीं किया था, फिर यह यहाँ क्यों आया? लेकिन सभी ने यह सुना हुआ था कि मनुष्यों में नाई, हिंस्र पशुओं में गीदड़ और पक्षियों में कौवा सबसे चतुर होता है। इसलिए कुछ काम ऐसे होते हैं जिन्हें अकेले नहीं करना चाहिए, जैसे-जटिल विषयों पर अकेले विचार नहीं करना चाहिए—स्वादिष्ट भोजन अकेले नहीं खाना चाहिए-सोते हुए लोगों के बीच अकेले जागना उचित नहीं-यात्रा पर अकेले जाना भी संकटपूर्ण होता है-रास्ते में यदि कोई डरपोक व्यक्ति भी मिल जाए तो उसे साथ ले लेना चाहिए। कौवा बोला, मित्रों! यह क्या कर रहे हो? उल्लू को राजा बनाना चाहते हो? अरे, यह तो रात में ही देखता है, दिन में अंधा हो जाता है। ऐसे राजा से हमारी प्रजा का क्या भला होगा? दिन के समय शत्रु आक्रमण करेंगे तो यह क्या करेगा? सोएगा? यह सुनकर सभी पक्षी सोच में पड़ गए। उल्लू क्रोधित हो उठा और बोला, कौवे! तूने मेरे राज्याभिषेक में विघ्न डाला है। आज यदि यह समारोह रुक गया तो मैं तुझे और तेरे पूरे वंश को कभी क्षमा नहीं करूँगा। कौवा हँसकर उड़ गया। अभिषेक रुक गया और पक्षी बिना राजा चुने लौट गए। तभी से उल्लू और कौवों में बैर हो गया। उल्लू रात में कौवों को मारते हैं और कौवे दिन में उल्लुओं के घोंसलों को नष्ट कर देते हैं।

सीख: जल्दबाजी में लिया गया निर्णय गलत हो सकता है। दूसरों की सलाह लेना हमेशा लाभदायक होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं। रचनात्मक काम होंगे। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

वृषभ

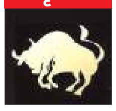

नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

सिंह

मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएँ। धन लाभ होने की भी संभावना है। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी।

तुला

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

वृश्चिक

प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा।

धनु

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

मकर

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें। रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी।

कुम्भ

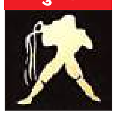

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे। मेहनत का फल मिलेगा।

मीन

प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। प्रमाद न करें।

हॉलीवुड | मन की बात

पांच महीने की प्रेग्नेंसी में झेला मिसकैरिज बच्चा खोकर टूट गई थी मैं : रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसमें एक्ट्रेस का एक बार फिर फीयरलेस अंदाज दिखेगा। रानी ने एक इंटरव्यू में बताया कैसे सिनेमा ने उन्हें अपनी लाइफ के सबसे मुश्किल फेज से आगे बढ़ने में मदद की थी। यहां एक्ट्रेस उस वक्त की बात कर रही थीं, जब उन्होंने अपना दूसरा बेबी खोया था। इस चुनौती भरे पल से सिनेमा ने रानी को बाहर निकालने में मदद की थी। रानी ने अपनी बात रखते हुए मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे का उदाहरण दिया। उनका कहना है वो हमेशा से ऐसी कहानियां चुनने की कोशिश करती हैं जो असरदार हों और समाज में बहस छेड़ें। फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे उनके पास उस वक्त आई थी जब वो अपने पर्सनल लॉस से गुजर रही थीं। 2023 में आई इस मूवी ने रानी को नेशनल अवॉर्ड दिलवाया था। ये मूवी उनके पास तब आई थी जब वो दूसरे बच्चे के मिसकैरिज के दर्द से गुजर रही थीं। ये बात 2020 की है। ये भी खास वजह थी कि मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की कहानी से वो तुरंत कनेक्ट कर पाई थीं। क्योंकि उस वक्त वो इमोशनल स्पेस में थीं। रानी ने कहा- वो कहानी थी, वो फिल्म मेरे पास आई थी, जब मैंने मेरा दूसरा बच्चा खो दिया था। तो उस वक्त ये मेरा सेंस ऑफ लॉस था। वो कहानी सुनकर मैं इतना जुड़ गई कि मैंने बोला ये कहानी मुझे बतानी है। फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की कहानी में दिखाया गया था कैसे एक मां अपने बच्चे से अलग होने के दर्द को झेलती है। रानी के मुताबिक, इस रोल ने न सिर्फ उनका दर्द कम किया बल्कि समाज की बड़ी सच्चाइयों को भी उजागर किया। उन्होंने विदेश में रहने वाले परिवारों की मुश्किलों और खासकर मदर्स पर पड़ने वाले इमोशनल इफेक्ट के बारे में बात की। वो कहती हैं- मुझे हिंदुस्तान को ये कहानी बतानी है और उनको बताना है कि हमारा जो ऑब्सेशन है कि हम बाहर जाएं, हम वहां पर सेटल कर लेंगे, ये सच्चाई नहीं है, सच्चाई बहुत हटके है। अपने बच्चों के बिना एक मां का क्या हाल होता है और आपका बच्चा आपकी आंखों के सामने आपसे कोई लेकर चला जाए तो उस मां पर क्या गुजरती है, बच्चों पर क्या गुजरती है, वो दिखाना था।

हॉलीवुड को टक्कर देगी शाहरुख खान की किंग

शाहरुख खान की फिल्म किंग इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। पिछले साल किंग का टीजर रिलीज हुआ था जिसके बाद से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। इस मच अवेटेड फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं जिन्होंने वॉर, पठान, बैंग बैंग, फाइटर जैसी धांसू एक्शन फिल्मों का निर्देशन किया है। सिद्धार्थ आनंद बॉलीवुड में अपनी एक्शन फिल्मों के लिए ही मशहूर हैं। डायरेक्टर ने बॉलीवुड फिल्मों के एक्शन को हॉलीवुड के लेवल पर पहुंचा दिया है और वो अपनी अपकमिंग फिल्म के साथ भी कुछ ऐसा ही एक्सपेरिमेंट करने के तैयारी में हैं।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की किंग भारी-भरकम बजट में बन रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल रिलीज होने वाली ये दूसरी सबसे महंगी फिल्म है। सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशन में बन रही फिल्म से मेकर्स ने 350 करोड़ रुपए दांव पर लगाए है। ये साल 2026 की दूसरी सबसे महंगी फिल्म होगी। इस साल रणबीर कपूर-साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' आ रही है जो किंग को टक्कर देगी।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान की फिल्म के एक एक्शन सीक्वेंस पर भारी-भरकम खर्च किया गया है। मीडिया पोर्टल को एक सोर्स ने बताया कि शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म अबतक की सबसे महंगी एक्शन फिल्मों में से एक है। ये दर्शकों को शानदार एक्शन एक्सपीरियंस देने वाली है। फिल्म में कई सारे हाई ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'किंग' के एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग यूरोप में हुई है जिसपर बजट का भारी-भरकम हिस्सा खर्च हुआ है। शाहरुख खान और अभिषेक बच्चन के इस सीन की शूटिंग 10 दिन में पूरी जिसका कुल खर्च 50 करोड़ रुपए है। इस सीन की शूटिंग के लिए हर दिन करीबन 5 करोड़ का खर्च हुआ है। फिल्म के इस एक्शन सीक्वेंस के लिए सिद्धार्थ आनंद ने एक्शन एक्सपर्ट्स की टीम की मदद ली थी। बता दें, इस चर्चित सीन की शूटिंग में शाहरुख खान ने सिद्धार्थ आनंद की काफी मदद की। वो दोनों चाहते थे कि फिल्म के यूरोप सीन्स की शूटिंग असली लोकेशन पर ही हो। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, शाहरुख खान के साथ अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज होगी।

रिलीज हुई फिल्म दलदल, मिलीजुली रही दर्शकों की प्रतिक्रियाएं

भूमि पेडनेकर की क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। सात एपिसोड की इस सीरीज में भूमि के अलावा समारा तिजोरी, आदित्य रावल और बाकी कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है। जानिए आखिर कैसी लगी दर्शकों को भूमि की क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल।

सीरीज दलदल कल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो गयी। भूमि की इस सीरीज को लेकर दर्शकों ने अपनी राय पेश की है। कुछ लोग सोशल मीडिया पर इस सीरीज में भूमि के अभिनय की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ दर्शक इस सीरीज को समाज की कड़वी सच्चाई से जोड़ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं, जो अपने काम के अनुभव पर गर्व कर सकें और साथ ही साथ नए मानक स्थापित कर सकें। दलदल में भूमि का अभिनय इसका प्रमाण है। एक और यूजर ने लिखा, दलदल के साथ संघर्ष करना पड़ा। यह सीरीज आपको बहुत कम भावनाएं महसूस कराती है। कई दर्शकों ने भूमि पेडनेकर के अभिनय की सराहना की है, तो कई यूजर्स को यह पसंद नहीं आई। वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि कहानी की सीरीज की गति थोड़ी धीमी है।

लेकिन अगर आपको मनोवैज्ञानिक थ्रिलर पसंद हैं, तो यह देखने लायक है। कुल मिलाकर, यह एक गंभीर, भावुक और सस्पेंस से भरी सीरीज है। एक दर्शक ने लिखा, भूमि को दलदल में ही छोड़ देते... बाहर क्यों निकाला... और भूमि को दलदल में ही छोड़ आओ

दलदल अमृत राज गुप्ता द्वारा निर्देशित एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज है। यह आज 30 जनवरी 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इस सीरीज में भूमि पेडनेकर ने मुख्य भूमिका निभाई है। भूमि के अलावा इस सीरीज में समारा तिजोरी, आदित्य रावल, गीता अग्रवाल, संदेश कुलकर्णी ने भी अहम भूमिका निभाई है। सीरीज की मुख्य किरदार डीसीपी रीता फरेरा हैं, जिन्हें भूमि पेडनेकर ने निभाया है। रीता एक सख्त और मेहनती पुलिस अधिकारी हैं। वे अपना काम बहुत गंभीरता से लेती हैं और बहुत कम मुस्कुराती हैं। उनके अंदर बचपन का एक पुराना दर्द छिपा है, जो उनकी सख्त मां की परवरिश से जुड़ा है।

अजब-गजब | इस शहर का इतिहास जानकर रह जाएंगे दंग!

विशाल चट्टान के नीचे बना है ये 500 साल पुराना शहर

दुनिया में कई खूबसूरत देश हैं जिनके शहर लोगों को आकर्षित करते हैं। स्पेन भी ऐसा ही एक देश है। आपने भारतीय फिल्मों में भी हीरो-हिराइन को स्पेन की यात्रा पर जाते देखा होगा। पर अक्सर स्पेन के प्रमुख शहरों, जैसे मैड्रिड, बार्सिलोना, वैलेंसिया या सिविया की ही चर्चा सुनने को मिलती है। फिल्मों में भी उसे ही दिखाया जाता है। पर स्पेन में एक ऐसा भी शहर है, जो करीब 500 साल पुराना है और ये एक चट्टान के नीचे बना है। यहां 3000 लोग रहते हैं। हैरानी की बात इसका इतिहास भी है जो लोगों को बहुत रोचक लगता है।

मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार स्पेन के कैडिज प्रांत में एक छोटा सा शहर है, जिसका नाम है Setenil de las Bodegas। इस शहर को स्पेन के सबसे खूबसूरत शहरों में गिना जाता है। इसका कारण ये है कि इस शहर ने प्रकृति को पूरी तरह से अपनाया हुआ है। शहर एक विशाल चट्टान या छोटी सी पहाड़ी के ठीक नीचे बनाया गया है। घरों को उसी चट्टान की दरारों में बनाया गया है। नाम का अर्थ है चट्टान के नीचे घर।

कई-कई सड़कें तो ऐसी हैं कि ऊपर आसमान नहीं नजर आता, सिर्फ चट्टान नजर आती है। रोड और घरों के ऊपर अपने आप प्रकृतिक छत बनी है। इस चट्टान का फायदा ये होता है कि लोगों के घर गर्मी में ठंडे और जाड़े में गर्म रहते हैं। इस वजह से ये शहर आर्किटेक्चर का अनोखा नमूना है। इस शहर में करीब 3000 लोग रहते हैं। यहां आकर लोगों को ऐसा लगता है जैसे वो दुनिया से दूर आ गए हैं। अब इस शहर के इतिहास के बारे में आपको बताते हैं। इस इलाके पर एक वक्त में मुस्लिम शासन था। उनपर कब्जा करने के लिए ईसाई शासकों को 7 बार कोशिश और 15 दिन लगे, तब जाकर इन चट्टानों पर बना सेटेनिल किला उनके हिस्से आया। ये किला चट्टान पर बना है। इसी वजह से शहर के नाम का पहला हिस्सा है Setenil जिसका लैटिन भाषा में अर्थ है- Septem Nihil यानी 7 बार नाकामी। नाम के दूसरे हिस्से de las Bodegas का अर्थ है वाइनरी, यानी वो जगह जहां वाइन बनती है। दरअसल, सालों पहले इस शहर में बड़ी वाइन इंडस्ट्री थी। इस इलाके में आज भी बादाम और ऑलिव ऑयल मिलता है जो यहां ही उगाया और बनाया जाता है।

दुनिया का वो छोटा-सा जीव, जिस पर मगरमच्छ भूल से भी नहीं करता अटैक!

मगरमच्छ को सबसे खूंखार शिकारी माना जाता है। उसके जबड़े में फंसने वाला जीव मुश्किल से बच पाता है। लेकिन प्रकृति में एक ऐसा छोटा जीव है जिससे मगरमच्छ खुद डरता है और भूलकर भी हमला नहीं करता। आपको लग रहा होगा कि हम मजाक कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। यह जीव है कैपिबारा। ये दुनिया का सबसे बड़ा Rodent है, जो देखने में बड़े चूहे जैसा लगता है। ये अमेजन, ब्राजील, वेनेजुएला और कोलंबिया की नदियों-झीलों में पाया जाता है। आखिर ऐसी क्या वजह है कि मगरमच्छ इसपर अटैक नहीं करता है। कैपिबारा और मगरमच्छ एक साथ रहते हैं, लेकिन शिकार का खेल यहां उल्टा चलता है। कैपिबारा का वजन 35-66 किलो तक होता है। उसकी लंबाई 1 मीटर से ज्यादा नहीं होती। यह पानी में बहुत तेज तैरता है, ग्रुप में रहता है (10-20 तक) और खतरे में अलार्म कॉल्स देता है। मगरमच्छ के लिए कैपिबारा आसान शिकार नहीं है। उसे पकड़ना मुश्किल है। उसका मांस कठोर होता है उसके शिकार में ऊर्जा ज्यादा लगती है। Journal of Ecosystem and Ecography की स्टडी में बताया गया कि मगरमच्छ ऊर्जा-कुशल शिकार चुनते हैं। वे छोटे जानवर, मछली या मृत मांस पसंद करते हैं। कैपिबारा पर हमला करने से ज्यादा मेहनत और चोट का खतरा रहता है। इस वजह से मगरमच्छ इनपर अटैक करने से परहेज करता है। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स और पर्यटकों ने ऐसे कई वीडियो कैद किए हैं जहां कैपिबारा मगरमच्छ के साथ तैरते नजर आए। दोनों किनारे पर बैठते हैं और कभी-कभी मगरमच्छ के ऊपर चढ़कर आराम करते हैं। मगरमच्छ उन्हें इग्नोर करता है। एक वीडियो में कैपिबारा का बच्चा मगरमच्छ के सिर पर खेलता भी नजर आया लेकिन मगरमच्छ ने उसे कुछ नहीं किया। यह सह-अस्तित्व (coe&istence) प्रकृति का अनोखा उदाहरण है। कैपिबारा मगरमच्छ के लिए 'ट्रबल' है, जिसमें ज्यादा रिस्क है और कम फायदा होता है। कैपिबारा ग्रुप में रहकर अलार्म सिस्टम बनाता है, तेज भागता है और पानी में छिप जाता है। मगरमच्छ छोटे या कमजोर शिकार चुनते हैं। यह रिश्ता इकोसिस्टम की बैलेंस दिखाता है।

मजदूरों और किसानों का मोदी सरकार कर रही अपमान

मनरेगा बचाओ संग्राम में जुटे कांग्रेस के दिग्गज

» एनआरईजीए को बचाना मतलब मजदूरों की आवाज को बचाना है : पवन खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नए वीबी-जी राम जी अधिनियम के खिलाफ मनरेगा बचाओ संग्राम का आयोजन किया, जिसमें सरकार पर मजदूरों और किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया गया। पार्टी ने योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र-राज्य के बीच 60:40 के फंडिंग अनुपात को लेकर इस कानून का विरोध किया है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, सांसद जयराम रमेश और दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के खिलाफ एमजीएनआरईगा बचाओ संग्राम विरोध प्रदर्शन किया।

संसद ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम पारित किया, जो भारत की प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना है।

नागरिकों के अधिकार छीन रही केंद्र सरकार : वेणुगोपाल

केरल में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर नागरिकों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने कहा कि पहले तो उन्होंने नए एमएनआरईजीए विधेयक के जरिए रोजगार का अधिकार छीन लिया। आर्थिक सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि सूचना का अधिकार, जो इस देश में आम आदमी के सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है, अब बेकार हो गया है। उनका इरादा बिल्कुल स्पष्ट है। वे इस देश के आम लोगों के सभी अधिकार छीनना चाहते हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

पवन खेड़ा ने कहा कि जो सरकार मजदूरों और किसानों का अपमान करती है, वह ज्यादा दिन नहीं टिकती। खेड़ा ने पत्रकारों से कहा कि सभी राज्यों की राजधानियों में ऐसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। एनआरईजीए को बचाना मतलब मजदूरों की आवाज को बचाना है। इस देश में, जिस भी सरकार ने मजदूर और किसान का अपमान किया है, वह ज्यादा दिन नहीं टिक पाई है।

मोदी हमारे संकल्प को तोड़ नहीं पाएंगे : देवेंद्र यादव

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने पार्टी नेताओं को प्रदर्शन करने से रोका। यादव ने कहा कि जब हम शांतिपूर्वक अपना अभियान चला रहे थे, तब हजारों पुलिस अधिकारियों ने हमें यहां रोक दिया। लेकिन मैं मोदी सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि वे किसी भी तरह से हमारे संकल्प को तोड़ नहीं पाएंगे।

नीट छात्रा की हत्या मामले पर बैकफुट पर आयी नीतीश सरकार

» सरकार ने माना- हत्या हुई, सीएम ने सीबीआई की जांच के लिए केंद्र को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के ममाले में बिहार सरकार बैकफुट पर आ गई है। गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी सहित राज्य सरकार ने मान लिया है कि पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। सम्राट चौधरी ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में हुए छात्रा की हत्या के मामले की सीबीई जांच का आग्रह किया है, ताकि घटना का पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से उद्भेदन निश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीबीआई जांच से घटना का शीघ्र उद्भेदन होगा और पूरे प्रकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या साजिश की परतें उजागर हो सकेंगी। मामले को लेकर राज्यभर में आक्रोश का माहौल है और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्षी दल ने नेता इस मामले पर लगातार सवाल उठा रहे। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी के आवास पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। इसमें जांच की कड़ियां जोड़ने और दोषियों पर शिकंजा कसने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए।

तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों पर घिरे चंद्रबाबू नायडू

» वाईएसआरसीपी ने टीडीपी से मांगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी के राज्य समन्वयक सज्जाला रामकृष्ण रेड्डी ने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों पर अपनी टिप्पणी को स्वीकार करें या स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों से विश्व भर के श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। रेड्डी ने कहा कि प्रयोगशाला रिपोर्टों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि तिरुपति लड्डू में पशु वसा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और चंद्रबाबू नायडू को उनके इस गैर-जिम्मेदाराना बयान के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नायडू ने उच्च पद पर रहते हुए तिरुपति लड्डू में मिलावट का आरोप लगाकर एक संवेदनशील धार्मिक मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश की, जिससे काफी हंगामा हुआ और श्रद्धालुओं में वैश्विक स्तर पर आक्रोश फैल गया। वाईएसआरसीपी ने मांग की है कि चंद्रबाबू या तो लड्डू में पशु वसा की मिलावट के अपने बयान को स्वीकार करें या प्रयोगशाला रिपोर्टों के आलोक में स्पष्ट बयान जारी करें, जिनमें कहा गया है कि लड्डू में पशु वसा नहीं पाई गई। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि एसआईटी रिपोर्ट में लड्डू में पशु वसा न होने की बात कही गई है और ये निष्कर्ष दो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू से उन टिप्पणियों के लिए पूछताछ की जानी चाहिए जिनसे दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि टीटीडी अध्यक्ष या बोर्ड के सदस्य किसी अनियमितता में शामिल थे, जिससे उनका दायरा साफ रहता है और आरोपों की कानूनी जांच होनी चाहिए।

नगर आयुक्त लापरवाही पर सख्त

» जोन-5 कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार सुबह नगर निगम के जोन-5 जोनल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई। सुबह 11 बजे तक कई कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए नगर आयुक्त ने स्वयं अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की और अनुपस्थित कर्मचारियों के नाम के सामने एब्सेंट अंकित करते हुए उन्हें अनुपस्थित घोषित किया। साथ ही सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए इसके बाद नगर आयुक्त ने पूरे जोनल कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय भवन की स्थिति कई स्थानों पर असंतोषजनक पाई गई। दीवारें जर्जर अवस्था में थीं, प्लास्टर

उखड़ा हुआ था तथा रख-रखाव की स्थिति कमजोर नजर आई। नगर आयुक्त ने इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए जोनल अधिकारी को निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर में आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराए जाएं और जर्जर दीवारों की जल्द मरम्मत कराई जाए, जिससे कर्मचारियों और आमजन को सुरक्षित व बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने कार्यालय की स्वच्छता, रख-रखाव और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के उपरांत नगर आयुक्त ने जोन-5 की टैक्स वसूली व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में संपत्ति कर (हाउस टैक्स) वसूली की प्रगति, बकाया कर की स्थिति तथा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि की जानकारी ली गई।

अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

लखनऊ। नगर आयुक्त के निर्देश पर लखनऊ नगर निगम द्वारा जोन-1 क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। आए दिन लगने वाले भीषण जाम और आमजन को हो रही परेशानी को देखते हुए यह अभियान चलाया गया, ताकि जनता को यातायात जाम से राहत मिल सके। कार्रवाई के दौरान लालबाग स्थित नूर मंजिल के पास सड़क किनारे अवैध रूप से कब्जा कर बनाई गई दुकानों और अतिक्रमण को बुलडोजर से हटाया गया। लंबे समय से सड़क पर फैले अतिक्र मण के कारण इस क्षेत्र में जाम की समस्या बनी रहती थी, जिस पर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया। अभियान के समय मौके पर जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की टीम के साथ ईटीएफ 296 की टीम भी मौजूद रही। कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

गजनी पर पूर्व उपराष्ट्रपति के बयान पर भड़की भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा मध्यकालीन शासक महमूद गजनी और लोधी वंश पर की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस और उसके कांग्रेसी तंत्र पर तीखा हमला किया। पार्टी ने विपक्ष पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने और हिंदू धार्मिक प्रतीकों पर हुए हिंसा को कम करके आंकने का आरोप लगाया।

शहजाद पूनावाला ने कहा कि ये टिप्पणियां कोई छिटपुट घटना नहीं हैं, बल्कि एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ये भारत के मध्यकालीन इतिहास की घटनाओं को शुद्ध करने का प्रयास दर्शाती हैं। पूनावाला ने कहा कि शरजील इमाम और उमर खालिद को 'युवा नेता' कहने के बाद, कांग्रेस के समर्थक और अंसारी अब महमूद गजनी की प्रशंसा कर रहे हैं, वही शासक जिसने सोमनाथ मंदिर को नष्ट और अपवित्र किया।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ पांचवां टी20 मैच आज

» विश्व कप से पहले अंतिम योजनाओं को परखेगी भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड के साथ पांचवां और अंतिम टी20 मैच विश्वकप से पहले भारतीय टीम के पास अपनी योजनाओं को परखने का अंतिम मौका होगा। शनिवार को होने वाले इस मुकाबले में सीरीज के परिणाम के लिहाज से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भारत 3-1 की बढ़त पर है और सीरीज अपने नाम कर चुका है, लेकिन खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर बड़े मनोबल के साथ विश्व कप का अभियान शुरू करना चाहेगी।

विश्व कप से पहले भारतीय टीम की सबसे बड़ी चिंता ओपनर संजू सैमसन की फॉर्म और ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस है। तिरुवनंतपुरम का ग्रीनफील्ड स्टेडियम सैमसन का घरेलू मैदान है। उम्मीद है कि घरेलू समर्थन के बीच सैमसन का बल्ला जमकर बोलेगा। वहीं, पहले टी20 में अंगुली चोटिल कराने वाले अक्षर इस मैच के बाद से नहीं खेले हैं। हालांकि उन्होंने शुक्रवार को संजू के अभ्यास कराया। फिट होने पर टीम प्रबंधन उन्हें आजमाना चाहेगा। प्रयोग के लिहाज से भारत ने पिछले मैच में पांच मुख्य गेंदबाजों को खिलाया और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या-शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं कराई। पिछले दो मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका मिल सकता है। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच में हर हाल में जीत पाना चाहेगी। मेहमान पहले तीन मैचों में भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आए, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया। और चौथा मैच जीतने में सफल रहे। और 3-2 का अंतर उन्हें विश्व कप के लिए मानसिक रूप से मजबूत करेगा।

डब्ल्यूपीएलः गुजरात प्लेऑफ में पहुंची

वडोदरा। गुजरात जाएंट्स ने मुंबई इंडियंस को 11 रन से हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि ये मुंबई पर गुजरात की महिला प्रीमियर लीग के इतिहास की पहली जीत है। इससे पहले मुंबई ने लगातार आठ मैचों में गुजरात को मात दी थी। वडोदरा में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने एश्ले गार्डनर की 46 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 156 रन बना सकी। उनके लिए हरमनप्रीत कौर ने 82 रनों की नाबाद पारी खेली।

अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

» बारामती से मुंबई तक एनसीपी के दोनों गुट सक्रिय

» भाजपा पूरे घटनाक्रम पर रख रही नजर

» सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम पद पर शपथग्रहण को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अजिज पवार के निधन के बाद से महाराष्ट्र व एनसीपी में सियासी हलचल मची हुई है। एनसीपी जहां अजित दादा की पत्नी को उपमुख्यमंत्री बनाना चाहती है वहीं बीजेपी ने कहा है कि एनसीपी का फैसला मान्य होगा। इसबीच पूर्व सीएम व अजित पवार के चाचा शरद पवार में कहा उन्हें डिप्टी सीएम पर कोई जानकारी नहीं है।

उधर अजितपवार की पत्नी का दावा है कि दोनों एनसीपी गुट में विलय होने पर बातचीत लगभग निर्णायक मोड़ पर थी। खाली हुए उपमुख्यमंत्री पद पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले पर अभी मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। हमारी एक बैठक है और बैठक के बाद हम इन सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शरद पवार का बयान सामने आया है कि सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम पद पर शपथग्रहण को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्हें अंधेरे में रखा गया।

सुनेत्रा एनसीपी की नेता

सुनेत्रा पवार को एनसीपी का नेता चुना लिया गया है। वह अपने बेटे पार्थ के साथ शनिवार तड़के बारामती से मुंबई के लिए रवाना हुईं। उनके औपचारिक चुनाव के बाद, राज्य एनसीपी प्रमुख सुनील तटकरे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक औपचारिक पत्र भेजकर उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने का आग्रह करेंगे। तटकरे ने राज्य विधानसभा के 40 और राज्य विधान परिषद के 9 विधायकों सहित सभी पार्टी विधायकों को पत्र लिखकर शनिवार को विधान भवन में होने वाली विधानसभा पार्टी की बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

एनसीपी अजित पवार की बैठक आयोजित

आज दोपहर 2 बजे महाराष्ट्र एनसीपी प्रमुख सुनील तटकरे ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल से मुलाकात के बाद पत्रकारों को बताया कि शनिवार को नए नेता के चुनाव के लिए विधायक दल की बैठक बुलाई गई। सुनेत्रा पवार द्वारा नई जिम्मेदारी स्वीकार करने की सहमति के बाद एनसीपी ने विधानसभा की बैठक 31 जनवरी को आयोजित करने का निर्णय लिया है। वह वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं।

उपमुख्यमंत्री पद पर अंतिम निर्णय फडणवीस लेंगे : तटकरे

एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने शनिवार को एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार के उस बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें एनसीपी सांसद और अजित पवार की पत्नि सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री पद के लिए नाम आगे बढ़ने की जानकारी नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए तटकरे ने कहा कि अजित पवार के निधन के बाद खाली हुए उपमुख्यमंत्री पद पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले पर अभी मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। हमारी एक बैठक है और बैठक के बाद हम इन सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। एनसीपी नेता ने आगे कहा कि आज दोपहर हमारी एक बैठक है।

फैसले मुंबई में महायुति सरकार के नेताओं द्वारा लिए जा रहे : शरद पवार

अजित पवार की मृत्यु के तुरंत बाद लिए जा रहे राजनीतिक फैसलों के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने संकेत दिया कि ये फैसले मुंबई में महायुति सरकार के नेताओं द्वारा लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर परिवार में कोई समस्या होती है, तो परिवार एकजुट रहता है। परिवार में कोई समस्या नहीं है। ये सारी चर्चाएँ यहाँ नहीं हो रही हैं, ये मुंबई में हो रही हैं। प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य वरिष्ठ नेता ये चर्चाएँ कर रहे हैं। जो कुछ भी दिख रहा है, वह उन्हीं के द्वारा लिए गए फैसले प्रतीत होते हैं। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूँगा।

12 फरवरी को होना था एनसीपी का मर्जर, 17 जनवरी को हुई थी शरद-अजित की मुलाकात

अजित पवार और शरद पवार के बीच एनसीपी के दोनों धड़ों के मर्जर की प्लानिंग चल रही थी। दोनों नेताओं के बीच आखिरी मुलाकात की तस्वीर में शरद पवार, अजित पवार, जयंत पाटिल, रोहित पवार, शशिकांत शिंदे, राजेश टोपे और अमोल कोल्हे मौजूद दिख रहे हैं। 17 जनवरी को हुई इस बैठक में फैसला किया गया था कि दोनों दलों का 12 फरवरी को मर्जर का ऐलान होगा। अजित पवार का बारामती में प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। इसके बाद पार्टी के मर्जर की खबरों पर कोई भी दल कुछ खुलकर नहीं बोल रहा है।

मनरेगा के बाद सूचना के अधिकार को खत्म करना चाहती है सरकार: खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की पुनर्विचार की मांग को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार भारत के सबसे शक्तिशाली पारदर्शिता कानूनों में से एक को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर रही है। उन्होंने एक पोस्ट में पूछा कि आर्थिक सर्वेक्षण में आरटीआई अधिनियम की पुनर्विचार की मांग की गई है.।

एमजीएनआरईजीए को खत्म करने के बाद, क्या अब आरटीआई की हत्या की बारी है? 2014 से चली आ रही आरटीआई की स्थिति में लगातार गिरावट को गिनाते हुए खरगे ने कहा कि 2025 तक 26,000 से अधिक आरटीआई मामले लंबित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 में किए गए संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन को नियंत्रित करने की अनुमति दी, जिससे उनकी स्वतंत्रता कमजोर हुई। खरगे ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की भी आलोचना करते हुए दावा किया कि इसने आरटीआई अधिनियम के जनहित खंड को कमजोर कर दिया है और सरकार को गोपनीयता को जांच से बचने के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल करने में सक्षम बनाया है।

उन्होंने आगे बताया कि दिसंबर 2025 तक केंद्रीय सूचना आयोग बिना मुख्य सूचना आयुक्त के कार्य कर रहा था, जो पिछले 11 वर्षों में सातवीं बार ऐसा पद खाली था। खर्गे ने 2014 से अब तक 100 से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्याओं का भी जिक्र किया और भाजपा पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान पारित व्हिसलब्लोअर्स प्रोटेक्शन एक्ट, 2014 को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। हालांकि, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में कहा गया है कि आरटीआई अधिनियम की भावना को कमजोर करने के लिए नहीं, बल्कि इसे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाने के लिए इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता हो सकती है। इसमें सुझाव दिया गया है कि निर्णय अंतिम रूप दिए जाने तक विचार-विमर्श नोट्स और मसौदा पत्रों को छूट दी जाए, गोपनीय सेवा अभिलेखों को अनौपचारिक अनुरोधों से सुरक्षित रखा जाए और संसदीय निगरानी के अधीन एक सीमित रूप से परिभाषित मंत्री वीटो शक्ति का उपयोग किया जाए।

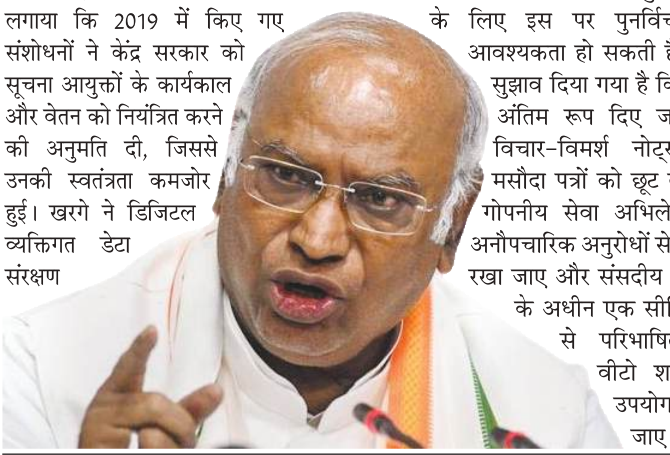

ओडिशा के स्कूल में फैला संक्रमण, 40 से अधिक बच्चे अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। रायगड़ा जिले के बिषमकटक ब्लॉक अंतर्गत चाटीकणा पंचायत के बारिगुड़ा गांव स्थित नलिनी विद्यामंदिर में झाड़ा-उल्टी फैलने से हड़कंप मच गया। इस दौरान चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 10 वर्षीय छात्रा लग्ना उरलाका की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक छात्र-छात्राओं को बिषमकटक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, विद्यालय में अचानक उल्टी-दस्त के मामले सामने आए थे। देर रात बड़ी संख्या में बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बिषमकटक सीएचसी में भर्ती कराया गया। इसी बीच शनिवार सुबह छात्रा लग्ना उरलाका की मौत हो गई।

कोहरे से ढका आधा प्रदेश, लखनऊ में हल्की बूंदाबांदी के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बारिश और ओले गिरने के बाद ठंड फिर लौट आई है। शनिवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद समेत कई जिलों में घना कोहरा छाया है। कई जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर तक है। बर्फीली हवाओं से तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। सुबह-शाम गलन बढ़ गई है।

सड़कों पर सन्नाटा है। गाड़ियों से निकले लोगों के हाथ सुन्न हो जा रहे हैं। लोग गर्म कपड़े पहनकर और अलाव सेंककर ठंड से बचते नजर आ रहे हैं। 31 जनवरी तक कोहरे में बढ़ोतरी होगी और कुछ क्षेत्रों में घना कोहरा छा सकता है। फरवरी के पहले सप्ताह में नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से एक से तीन फरवरी के बीच पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभागों में बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है और कोहरे से राहत मिलेगी। चार फरवरी से तापमान में फिर हल्की गिरावट आने के आसार हैं। कभी विक्षोभ तो कभी हवा का रुख बदलने से लखनऊ में दिन व रात के तापमान में उतार चढ़ाव जारी है।

एक फरवरी को एक नया विक्षोभ सक्रिय हो रहा है इसके असर से तापमान में दोबारा बदलाव दिखेगा।

आगरा में कंटेनर ने दो ऑटो को मारी टक्कर, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कंटेनर ने दो ऑटो को रौंद दिया। हादसे में पांच लोगों के मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल बताए गए हैं। ये सभी जगन्नाथ यात्रा पर गए थे। ये सभी वापस ऑटो से आ रहे थे। ये लोग सहपऊ के रहने वाले हैं। आगरा कैंट स्टेशन पर उतरने के बाद ऑटो से ये सभी लोग घर जा रहे थे। रास्ते में ये हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ऑटो एक ही दिशा में जा रहे थे। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी और फिर दूसरे ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना खंदौली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद आरोपी चालक को लोगों ने दबोच लिया। उसके साथ मारपीट की गई। थाना सहपयू के गांव भादउ निवासी सात लोग जगन्नाथ पुरी यात्रा के लिए 20 जनवरी को रवाना हुए थे। वहां दर्शन करने के बाद वे सभी शनिवार को जबलपुर से आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर उतरे। यहां से इन्होंने अपने गांव के लिए ऑटो बुक कराया था, जिसमें बिजो, लख्मीचंद, रणवीर सिंह, बिल्ला मिस्त्री, धनप्रसाद, विजय सिंह, उदय सिंह सवार थे। शहीद खान ऑटो चालक बताया जा रहा है। एसएन मेडिकल कॉलेज में पांच मृतकों के शव लाए गए। मृतकों के नाम बीजो, लख्मीचंद,रणवीर सिंह, बिल्ला मिस्त्री, शाहिद बताए गए हैं। धनपाल इमरजेंसी में घायल अवस्था में लाए गए।

फरीदाबाद के प्लाईवुड फैक्ट्री में भीषण आग से दो श्रमिकों की जलकर मौत, एक घायल

फरीदाबाद। गांव पाखल में फैक्ट्री में शुक्रवार को लगी आग में जलकर दो श्रमिकों की मौत हो गई। दोनों श्रमिक कल से ही लापता थे। आज फैक्ट्री में उनका शव बरामद हुआ है। एक कामगार घायल हुआ। एक मृतक का नाम आलिम निवासी मुबारकपुर जिला संभल जबकि दूसरे का अरविंद बताया जा रहा है। वह यहां जाफराबाद दिल्ली में रहता है। वहीं घायल कर्मचारी का नाम फाजिल है। आग बुझाने के लिए फायरब्रिगेड की गई गाड़ियां लगी हैं। फैक्ट्री में प्लाईवुड बनाने का काम होता है। पुलिस मौके पर पहुंची।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।